साथ मिलकर ट्रोल्स को हैंडल करती हैं अनन्या पांडे, सुहाना खान और शनाया कपूर

अनन्या पांडे पुनीत मल्होत्रा की फिल्म स्टूडेंट ऑफ द इयर 2 से डेब्यू कर चुकी हैं और अपनी अगली फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। अनन्या, शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर बेस्ट फ्रेंड्स हैं।

स्टार किड्स होने के चलते वे अक्सर सोशल मीडिया ट्रोल्स का टारगेट बनती हैं। इस बारे में एक रीसेंट इंटरव्यू में अनन्या ने बताया कि जब भी उन्हें कोई ट्रोल या बुली करता है तो वे तीनों एक-दूसरे का साथ देती हैं।

उन्होंने बताया कि बुरे वक्त में वे एक-दूसरे का भरोसा कर सकती हैं अनन्या ने ये भी कहा कि वह खुद को लकी मानती हैं क्योंकि कुछ भी हो जाए उनकी दोस्त उनके साथ हमेशा होती हैं। वर्क फ्रंट पर बात करें तो अनन्या इस वक्त कार्तिक आर्यन और भूमि पेडनेकर के साथ फिल्म पति पत्नी और वो की शूटिंग कर रही हैं।

फिल्म 1978 में इसी नाम से आई फिल्म की रीमेक है। फिल्म में संजीव कुमार, विद्या सिन्हा और रंजीता कौर थे।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

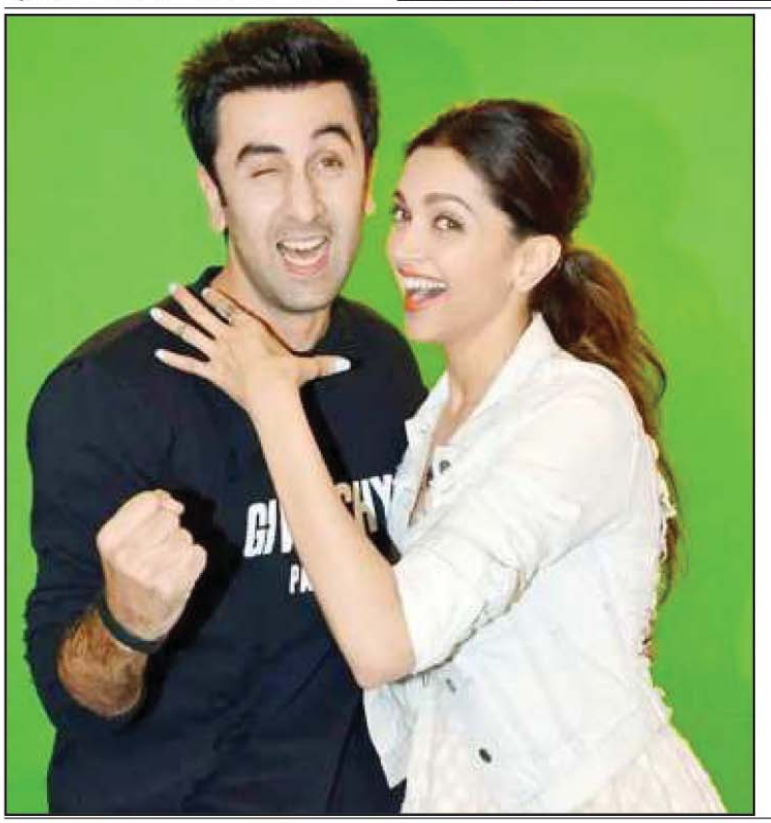

दीपिका पादुकोण एक बार फिर दिखेंगी रणबीर कपूर के साथ?

जब भी दीपिका पादुकोण और रणबीर कपूर स्क्रीन पर साथ नजर आते हैं, वे अपना जादू चला ही जाते हैं। हमें उनकी केमिस्ट्री बचना ऐ हसीनो, ये जवानी है दीवानी और तमाशा में दिखी और काफी पसंद भी आई। अब ऐसा लग रहा है कि दोनों एक बार फिर बड़े पर्दे पर साथ आने की तैयारी में हैं और यह फिल्म लव रंजन की अगली फिल्म होगी।

खबरें हैं कि दीपिका इस फिल्म के लिए चुन ली गई हैं, जिसमें अजय देवगन भी स्टार होंगे। ...और अब ऐसा लग रहा है कि ये खबरें सही हैं, क्योंकि बीती रात रणबीर के साथ ऐक्ट्रेस लव रंजन के ऑफिस के बाहर नजर आईं।

रिपोर्ट्स पर यकीन किया जाए तो अजय इस फिल्म में रणबीर कपूर के पिता के रोल में नजर आएंगे। कहा जा रहा है कि इस फिल्म पर इस साल के अंत तक काम शुरू हो जाएगा।

इसके अलावा दीपिका इस समय कबीर खान के डायरेक्शन में बन रही फिल्म 83 की शूटिंग कर रही हैं, जिसमें उनके पति रणवीर सिंह लीड रोल में हैं। यह फिल्म साल 1983 में इंडियन क्रिकेट टीम के वर्ल्ड कप जीतने पर बेस्ड है और रणवीर इसमें क्रिकेटर कपिल देव का किरदार निभा रहे हैं।

इसके अलावा दीपिका मेघना गुलज़ार की फिल्म छपाक की तैयारी में भी लगी हैं, जो एक एसिड अटैक सर्वाइवर की कहानी है। वहीं रणबीर अपने अगले प्रॉजेक्ट ब्रह्मास्त्र में बिजी हैं। इस फिल्म में रणबीर के अलावा आलिया भट्ट, अमिताभ बच्चन और साउथ के सुपरस्टार नागार्जुन भी हैं।

ऐनस्थीसिया से पहले ऐंग्जाइटी कम करने में मदद करता है म्यूजिक

अनुसंधानकर्ताओं की मानें तो पेरिफेरल नर्व ब्लॉक प्रसीजर से पहले होने वाली ऐंग्जाइटी यानी चिंता और बेचानी को दूर करने करने के लिए दर्दनिवारक दवाइयों के विकल्प के तौर पर म्यूजिक यानी संगीत का इस्तेमाल किया जा सकता है। नर्व ब्लॉक प्रसीजर से पहले आमतौर पर मरीजों को दर्द दूर करने वाली दवा के तौर पर मिडाजोलम नाम की दवा दी जाती है ताकि उनकी ऐंग्जाइटी को कम किया जा सके।

दवा के विकल्प के तौर पर म्यूजिक का इस्तेमाल: हाल ही में हुई एक स्टडी में अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि नर्व ब्लॉक प्रसीजर से पहले अगर मरीजों को रिलैक्सिंग म्यूजिक सुनाया जाए तो यह उतना ही असरदार होता है जितनी की मिडाजोलम दवा जिसे सीधे मरीज के वेन्स में डाला जाता है। पेरिफेरल नर्व ब्लॉक प्रसीजर एक तरह का रीजनल ऐनस्थीसिया है जिसे ऑपरेशन वाली जगह पर अल्ट्रासाउंड के गाइडेंस में किया जाता है जो शरीर के किसी खास हिस्से में दर्द के अहसास को ब्लॉक कर देता है। यह प्रसीजर कई तरह की ऑर्थोपेडिक सर्जरी जैसे- हिप और घुटने की सर्जरी, हाथ और कोहनी की सर्जरी आदि में इस्तेमाल किया जाता है।

मरीज की चिंता कम करने के लिए दवा का विकल्प: इस स्टडी की लीड ऑथर वीना ग्राफ ने कहा, हमारी स्टडी के नतीजे यह दिखाते हैं कि नर्व ब्लॉक प्रसीजर जैसी कुछ चीजों से पहले मरीज को शांत करने और मरीज की ऐंग्जाइटी कम करने के लिए दवा के कई विकल्प मौजूद हैं। हमने हमारे ऐंबुलेटरी सर्जिकल सेंटर में नया प्रोसेस शुरू किया है और वैसे मरीजों को जो म्यूजिक सुनना चाहते हैं उन्हें डिस्पोजेबल हेडफोन भी दे रहे हैं। आखिरकार हमारा मकसद यही है कि मरीजों को म्यूजिक के तौर पर एक ऐसा विकल्प दिया जाए ताकि वे ऑपरेशन से पहले वाले पीरियड में रिलैक्स रहें और किसी तरह की चिंता उनके मन में न हो।

मरीजों को 2 ग्रुप में बांटकर की गई रिसर्च: अनुसंधानकर्ताओं की टीम ने 157 वयस्कों को 2 अलग-अलग ग्रुप में बांटा और उन्हें पेरिफेरल नर्व ब्लॉक प्रसीजर से 3 मिनट पहले दो ऑप्शन्स दिए। पहला- मिडाजोलम दवा का 1-2 मिलीग्राम का इंजेक्शन या फिर दूसरा- एक हेडफोन जिस पर मार्कोनी यूनियन का 8 मिनट का वेटलेस सॉन्ग प्ले किया जा रहा था जिसे साउंथ थेरपिस्ट, हार्मनी, रिदम और बास लाइन को ध्यान में रखते हुए सुनने वाले शख्स को शांति देने और रिलैक्स करने के लिए खासतौर पर बनाया गया था। अनुसंधानकर्ताओं ने मेथड का इस्तेमाल करने से पहले और बाद में दोनों ग्रुप के लोगों की ऐंग्जाइटी के लेवल की जांच की और पाया कि दोनों ही ग्रुप के लोगों में ऐंग्जाइटी लेवल में कमी आयी।